वार्षिक प्रतिवेदन
वर्ष 2024-25

मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन
का अकादमी में स्वागत

मुख्य सचिव उत्तराखण्ड शासन
का अकादमी भ्रमण कार्यक्रम

सतत् विकास लक्ष्यों का
स्थानीयकरण (LSDGs) एवं
अनुश्रवण विषयक
राज्य स्तरीय कार्यशाला

उत्तराखण्ड में वनाग्नि :
प्रबन्धन एवं रणनीतियाँ विषयक
राज्य स्तरीय कार्यशाला

वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 2024-25

डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी
नैनीताल
फोन : 05942-235011/236149/236068
ईमेल - directoracademy@hotmail.com

प्रगति – एक झलक (Progress at a Glance) 2024-25

वर्ष 2024–2025 में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र सं	संस्था	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या
1	भारत सरकार (DoPT)	18	296
2	उत्तराखण्ड सरकार	59	2332
3	आपदा प्रबन्धन प्रकोष्ठ	18	940
4	सेण्टर फॉर गुड गवर्नेन्स	76	3438
5	राज्य नगरीय विकास संस्थान	26	736
कुल		197*	7742

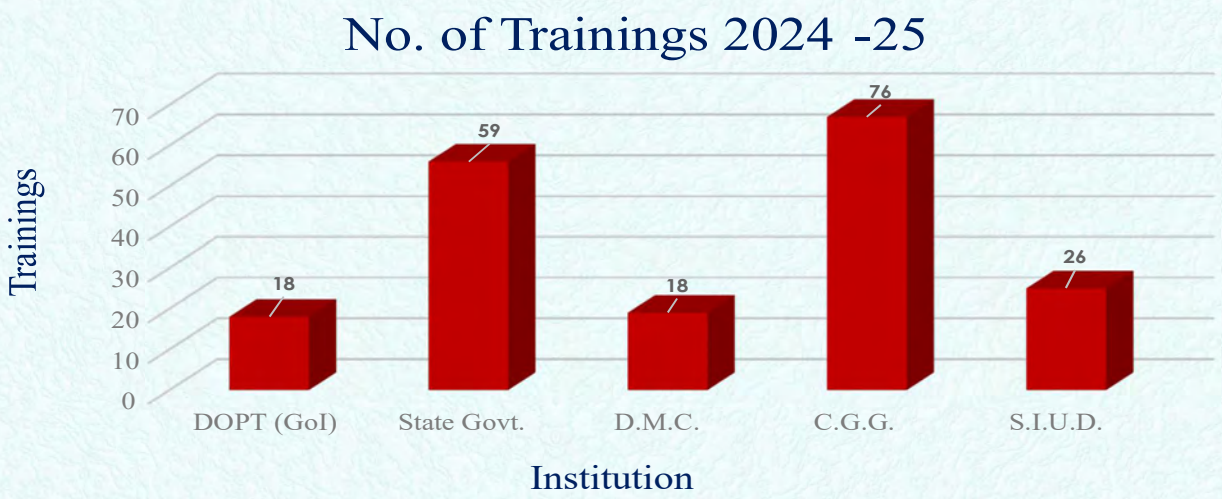

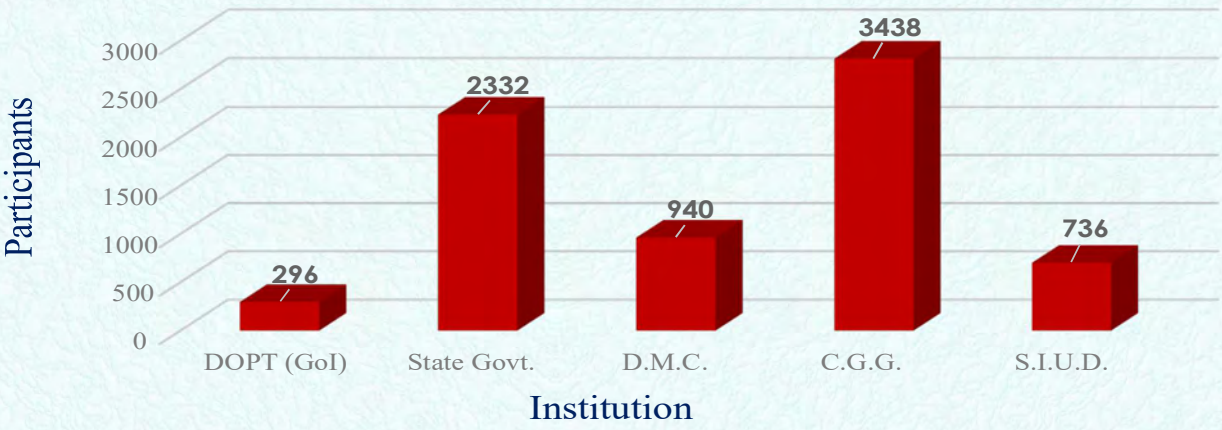

* निर्वाचन आचार संहिता एवं लोकसभा एवं स्थानीय निकायों के निर्वाचन कार्यों के कारण प्रशिक्षण गतिविधियां प्रभावित रहीं

* भारत सरकार से COMMIT एवं जल जीवन मिशन के कार्यक्रमों के आवंटन ना होने के कारण भी प्रशिक्षण गतिविधियां प्रभावित रहीं

डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल

भूमिका

उत्तराखण्ड शासन द्वारा 'डॉ0 आर0एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल' को राज्य के शीर्षस्थ प्रशिक्षण संस्थान के रूप में मान्यता प्रदान की गई है। समय के साथ परिवर्तित हो रही प्रशासनिक, आर्थिक व सामाजिक व्यस्थाओं के दृष्टिगत अकादमी द्वारा उत्तराखण्ड राज्य में प्रशिक्षण के माध्यम से कार्मिकों के ज्ञान, कौशल एवं व्यवहार में गुणवत्ता विकास हेतु निरन्तर प्रयास किये जा रहे हैं। अकादमी वर्तमान में राज्य की विभिन्न सेवाओं के अधिकारियों हेतु आधारभूत/सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त प्रादेशिक सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा), भारतीय प्रशासनिक सेवा (उत्तराखण्ड संवर्ग), भारतीय वन सेवा (उत्तराखण्ड संवर्ग) के अधिकारियों के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का भी आयोजन कर रही है। इनके अतिरिक्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आई.ए.एस.), भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.), भारतीय वन सेवा (आई.एफ.एस.) तथा भारत सरकार व राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के लिए सेवाकालीन तथा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2024–25 में अकादमी द्वारा राज्य सरकार एवं भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कुल 77 प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं अन्य संबंधित गतिविधियों के माध्यम से उत्तराखण्ड एवं देश के कुल 2628 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। विभिन्न श्रेणी के अन्तर्गत निम्न प्रकार गतिविधियाँ आयोजित की गईं –

1. **आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम** : गत वर्ष उत्तराखण्ड लोक सेवा अयोग द्वारा सम्मिलित राज्य सिविल सेवा के अधिकारियों का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। अकादमी द्वारा सम्मिलित राज्य सिविल सेवा के अधिकारियों के लिए 84 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य स्तरीय **07** सेवाओं के कुल **71** अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

2. **सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम** : उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न विभागों में समूह 'ख' तथा 'ग' के राजपत्रित एवं अराजपत्रित श्रेणी के नवनियुक्त कार्मिकों हेतु सेवा प्रवेश प्रशिक्षण की व्यवस्था निर्धारित है। आलोच्य वर्ष में नव–नियुक्त लोक निर्माण व सिचांई विभाग के सहायक अभियन्ताओं, राज्य कर अधिकारियों, उप निबन्धकों एवं जिला परिवीक्षा अधिकारियों के लिए पृथक–पृथक कुल **03** सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से कुल **106** प्रशिक्षुओं को प्रशासनिक, वित्तीय एवं अन्य विकास संबंधित विषयों पर ज्ञान एवं कौशल में अभिवृद्धि का अवसर प्रदान किया गया।

3. **राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम** : राज्य की विशिष्ट आवश्यकताओं के आधार पर विभिन्न विषयों जैसे वित्तीय प्रबन्धन, कार्यालय प्रबन्धन, सूचना का अधिकार, PoSH अधिनियम आदि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिनमें अकादमी स्टाफ की क्षमता वृद्धि हेतु भी प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मिलित रहे। इस प्रकार कुल **33** कार्यक्रमों में **1105** प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

4. **व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम** : आलोच्य वर्ष 2024–25 में अकादमी में उत्तराखण्ड संवर्ग के **भारतीय प्रशासनिक सेवा के 02 अधिकारियों** हेतु 9.5 सप्ताह तथा **भारतीय वन सेवा के 03** अधिकारियों के लिए 5 सप्ताह के व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को राज्य संबंधी कानूनों, नियमों, विकास योजनाओं व कार्यप्रणाली पर प्रशिक्षित किया गया।

5. **अभिमुखीकरण प्रशिक्षण** : उत्तराखण्ड संवर्ग के नवनियुक्त **भारतीय पुलिस सेवा के 02** तथा **भारतीय वन सेवा के 03 अधिकारियों के लिए पृथक–पृथक 03** दिवसीय अभिमुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

6. **प्रशिक्षक विकास प्रशिक्षण** : वर्ष 2024–25 में भारत सरकार की प्रशिक्षण विकास परियोजना के अन्तर्गत Direct Trainer Skills, Design of Training, Training Need Assessment, Evaluation of Training, Mentoring Skills इत्यादि विषयों पर कुल **18** प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से **296** अधिकारियों को प्रशिक्षण संबंधी कौशलों पर प्रशिक्षित किया गया।

7. **जनपद प्रशिक्षण कार्यक्रम** : कार्यस्थलों तक प्रशिक्षण सुविधा पहुँचाने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा राज्य में जनपद स्तर पर भी विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। आलोच्य वर्ष 2024–2025 में इस श्रृंखला के अन्तर्गत सूचना का अधिकार, कार्यालय प्रबन्धन, वित्तीय प्रबन्धन, आपदा प्रबन्धन, ई–ऑफिस, जैण्डर इत्यादि विषयों पर कुल **18** प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें कुल **1040** कार्मिकों को प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त हुआ।

8. **ई–लर्निंग प्रशिक्षण कार्यक्रम** : प्रदेश के कार्मिकों हेतु E-Learning सुविधा विकसित करने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा **41 विभिन्न विषयों पर ऑडियो–वीडियो मॉड्यूल** विकसित कर अपलोड किये जा चुके हैं। गत वर्ष विभिन्न विषयों पर लगभग 440 प्रशिक्षण सामग्री को NeGD Platform पर Learning Management System (LMS) पर उपभोग हेतु उपलब्ध कराया गया। वर्तमान में ITDA के सहयोग से नया LMS Portal तैयार किया जा रहा है।

9. **विभिन्न संस्थाओं से समझौता** : अकादमी की प्रशिक्षण गतिविधियों तथा क्षमता विकास के लिए निम्नलिखित राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरीय महत्वपूर्ण संस्थानों से MoU किया गया है।

(i) भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली।

(ii) जी.बी. पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान, अल्मोड़ा।

(iii) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की

(iv) पं0 दीनदयाल उपाध्याय वित्तीय प्रशासन, प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, वित्त विभाग, देहरादून।

(v) हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर।

(vi) जम्मू और कश्मीर इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन एंड रूरल डेवेलपमेंट, जम्मू।

(vii) भारतीय प्रबंध संस्थान, काशीपुर।

(viii) उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी।

(ix) उत्तराखण्ड लैण्डस्लाईड मिटिगेशन एण्ड मैनेजमेंट सेन्टर, देहरादून।

(x) अरूण जेटली इंस्टिट्यूट ऑफ फाइनेन्सियल मैनेजमेंट, फरीदाबाद, हरियाणा।

(xi) ब्यूरो ऑफ इण्डियन स्टैण्डर्डस, नई दिल्ली।

नूतन प्रयास

1. **अकादमी पुस्तकालय** : आलोच्य वर्ष में अकादमी पुस्तकालय प्रशिक्षुओं, संकाय अधिकारियों तथा सुधी पाठकों को समान्य पुस्तकालय सेवाओं के साथ–साथ डिजिटल प्रलेखों तथा वेब आधारित पाठ्य सामग्री के उपयोग की सुविधा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा। वर्तमान में अकादमी पुस्तकालय में कुल **73900** पुस्तक एवं अभिलेखों का संग्रह उपलब्ध है, जिनमें से लगभग **1400** से **अधिक दुर्लभ एवं महत्वपूर्ण प्रलेखों को डिजिटाईज़ कर संबंधित डाटा ई–ग्रंथालय पर अपलोड कर पाठकों के लिए ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है।** अकादमी पुस्तकालय में बच्चों हेतु एक विशिष्ट स्थान **(Children Corner)** विकसित किया गया है। इसमें उपयोगी

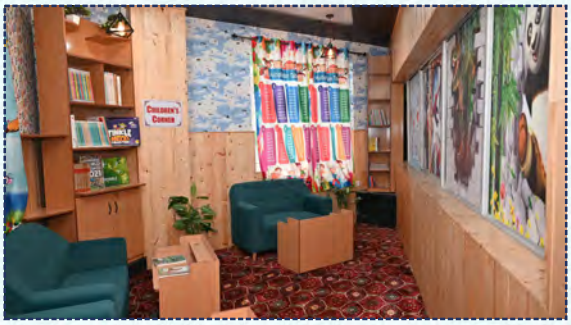

'बाल– साहित्य का संकलन' व्यवस्थित किया गया है। भारत सरकार के दिशा–निर्देशों के अनुसार पुस्तकालय में एक स्थान **"Indian Knowledge System"** के लिए भी आरक्षित किया गया है। इसमें विषय के अनुसार पुस्तकों को एक स्थान पर व्यवस्थित किया गया है।

2. **अकादमी प्रकाशन** अकादमी द्वारा मासिक न्यूज़ लैटर "अकादमी न्यूज़" का प्रकाशन किया जाता है। **माह अप्रैल, 2024 से जनवरी, 2025 तक कुल 10 अंक** प्रकाशित किये जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त अकादमी द्वारा प्रकाशित होने वाली पत्रिका "वैचारिकी" का भी प्रकाशन किया गया है। समस्त प्रकाशनों को अकादमी वैबसाईट पर भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

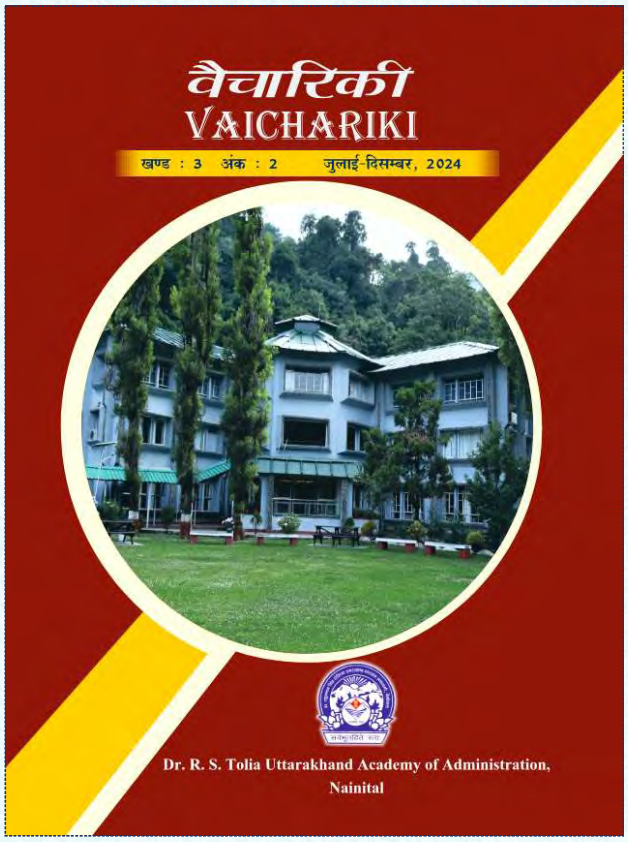

3. वर्ष 2024-25 में अकादमी परिसर अन्तर्गत आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण हेतु किये गये कार्यः

3.1 अकादमी की प्रशिक्षण क्षमताओं में वृद्धि हेतु निम्नानुसार कार्य किये गये

1. चर्चा कक्ष संख्या 3 एवं 11 का उच्चीकरण किया गया।
2. कम्प्यूटर लैब का उच्चीकरण कार्य किया गया एवं इसकी सीटिंग क्षमता में वृद्धि करते हुए सीटिंग क्षमता 50 की गई तथा अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त कम्प्यूटर सिस्टम स्थापना का कार्य गतिमान है।
3. अकादमी पुस्तकालय के सीमेंट फर्श का उच्चीकरण करते हुए वुडन फ्लोर स्थापित किये गये एवं पुस्तकालय के विस्थापित भाग में चिल्ड्रन सेक्शन बनाया गया है।

3.2 प्रतिभागियों एवं अतिथि वार्ताकारों की आवासीय सुविधा हेतु निम्नानुसार कार्य किये गये

1. अलकनन्दा भवन के कक्ष संख्या 1 व 2 का उच्चीकरण कार्य एवं अन्य 7 कक्षों में पूर्व में स्थापित कारपेट को प्रतिस्थापित करते हुए वुडन फ्लोर स्थापित किये गये।
2. अलकनन्दा एवं भिलंगना भवनों के बरामदों के क्षतिग्रस्त फर्श के उच्चीकरण का कार्य किया गया।
3. यमुनोत्री छात्रावासों के 35 कक्षों में पुराने सीमेंट फर्श का उच्चीकरण करते हुए वुडन फ्लोर स्थापित किया गया।
4. गंगोत्री तथा यमुनोत्री छात्रावासों में नैनीताल में शीतऋतु के दृष्टिगत उच्च क्षमता वाले हीटर्स हेतु विद्युत लाईन की क्षमताओं में वृद्धि की गई।

3.3 परिसर में अवस्थापना/सुरक्षा/अन्य आवश्यक सुविधाओं से संबंधित कार्य निम्नानुसार किये गये

1. अकादमी मैस के पीछे से एवर्सले हाउस तक अकादमी की सुरक्षा के दृष्टिगत जालीदार बाउण्ड्री वॉल का निर्माण किया गया।
2. अकादमी मुख्य द्वार के समीप अकादमी में आने वाले आगन्तुकों हेतु उपलब्ध चौपहिया वाहनों की पार्किंग क्षमता में वृद्धि करते हुए वाहनों हेतु आधुनिक पार्किंग का निर्माण किया गया।
3. त्रिशूल भवन एवं चौखम्बा भवन में उच्चीकरण का कार्य किया गया।
4. चौखम्बा भवन के प्रथम तल में अवस्थित संकाय सदस्यों/कार्मिकों के कार्यालय कक्षों के वुडन फ्लोर एवं UPVC खिड़कियों के उच्चीकरण का कार्य किया गया।

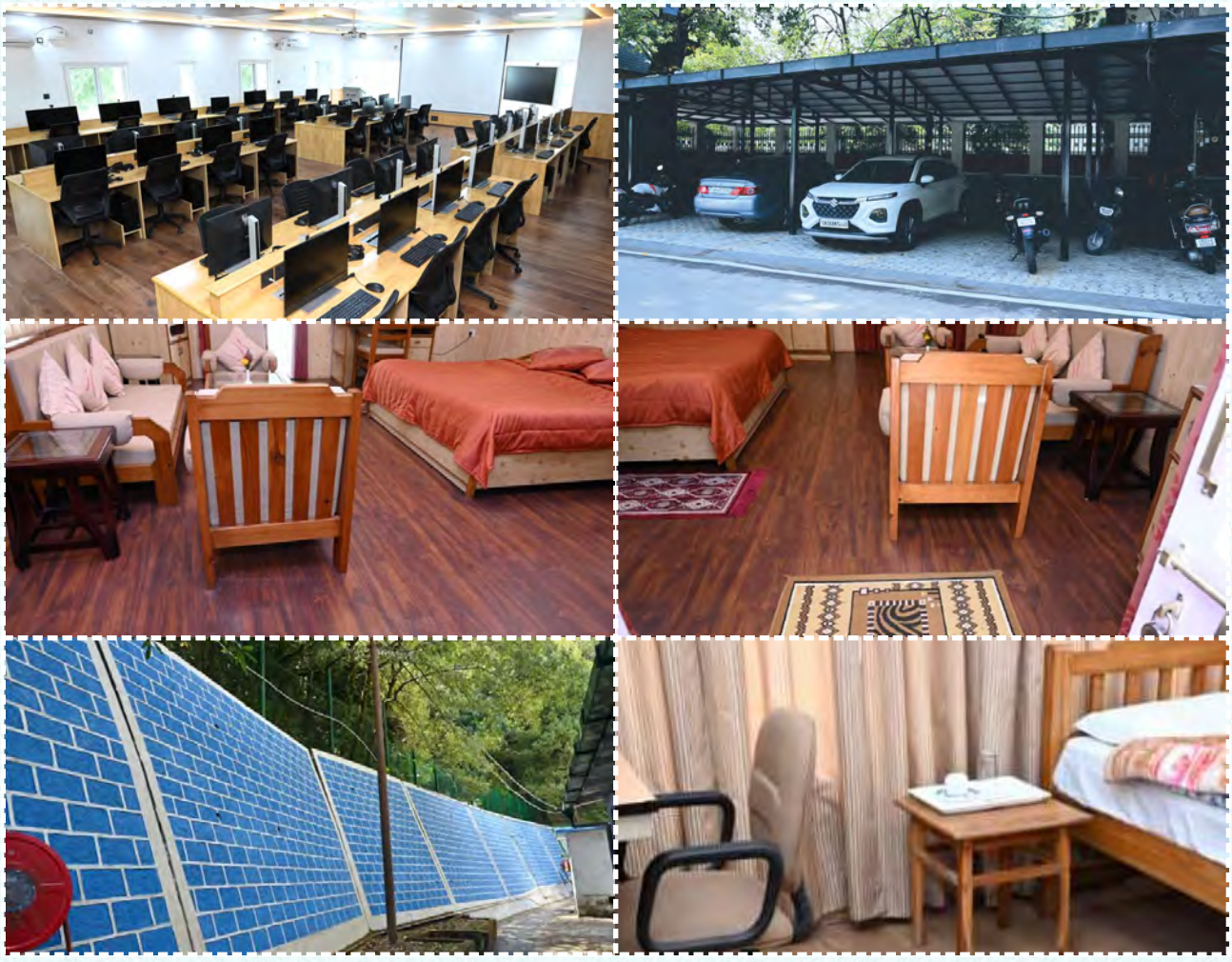

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ

वित्तीय वर्ष 2024-25 में आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं उपलब्धियों का संक्षिप्त विवरण

1. राज्य स्तरीय

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों में विभिन्न विषयों यथा Incident Response System, Use of Remote Sensing and GIS Application, Road Safety, Disaster Management Plan, Fire and Forest Fire, PDNA, Building Construction and Housing Model Technology पर कुल **07** प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किये गये। जिनका उद्देश्य **'आपदा जोखिम न्यूनीकरण'** के सम्बन्ध में मंथन एवं जनपद स्तर पर कार्ययोजनाओं का विवेचन करना था, जिससे प्रतिभागी अपने–अपने क्षेत्र में विभिन्न आपदाओं के सम्बन्ध में प्रभावी रूप से कार्यवाही कर सकें। उपरोक्त आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल **226 प्रतिभागियों** द्वारा प्रतिभाग किया गया।

Use of Remote Sensing and GIS Application

2. जिला स्तरीय

आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के 09 जिलों में जिला स्तर पर आपदा प्रबंधन से सम्बन्धित विषयों पर अभिमुखीकरण एवं जन जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसका मुख्य उद्देश्य आपदा जोखिम न्यूनीकरण के सम्बन्ध में जागरूकता विकसित करना था, जिससे प्रतिभागी किसी भी आपदा से निपटने के लिये सक्षम हो सकें तथा विद्यालय आपदा प्रबंधन कार्ययोजना एवं विद्यालयों की सुरक्षा एवं प्रबंधन के दृष्टिगत् आपदा प्रबंधन के विभिन्न आयामों पर जानकारी प्रदान कर आपदा के तीनों चरणों में ससमय त्वरित कार्यवाही की जा सके। जिला स्तरीय कुल **09 प्रशिक्षण कार्यक्रमों** में राज्य के विभिन्न विभागों के अधिकारियों/कार्मिकों सहित कुल **549 प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।**

Important Dimensions of Disaster Management

प्रकोष्ठ द्वारा राष्ट्रीय संस्थानों के साथ समन्वयन–राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से Understanding Disaster Risk and Main streaming Disaster Resilient Development Practices विषयक 05 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य आपदा जोखिम को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए विकास योजनाओं और

Understanding Disaster Risk and Main streaming Disaster Resilient Development Practices

परियोजनाओं में आपदा प्रबंधन को शामिल करना एवं प्रतिभागियों को भविष्य में विकास एवं आपदा को साथ में लेकर नई रणनीति विकसित करते हुये दीर्घकालिक योजना तैयार करना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में **50** प्रतिभागी सम्मिलित हुये।

प्रकोष्ठ द्वारा दिनांक 28–29 नवम्बर, 2024 की अवधि में आपदा जोखिम न्यूनीकरण : तैयारी एवं दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति (Disaster Risk Reduction: Preparedness & Long Term Recovery) विषयक राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आपदा के पूर्व, दौरान और बाद में उचित योजना बनाकर प्रशिक्षण आयोजित करना, आपदा के बाद सामाजिक और आर्थिक पुनर्निर्माण को सशक्त बनाना, आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए समुदायों को जागरूक करना और उनका सहयोग प्रदान करना तथा दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति के दौरान प्रभावित क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार करना था। इस कार्यशाला में **115** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विशिष्ट अतिथि श्री आनन्द स्वरूप
अपर सचिव, आपदा प्रबंधन

3. उपलब्धि

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2024–25 में क्षमता विकास हेतु **रू. 102.00 लाख (रुपये एक करोड़ दो लाख मात्र)** की धनराशि आवंटित की गयी। जिसके सापेक्ष **रुपये 99.84 लाख** की धनराशि का सदुपयोग किया गया। प्रकोष्ठ द्वारा वित्तीय वर्ष में कुल **18** प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजन किया गया। जिनमें कुल **940** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

विद्यालय आपदा प्रबंधन कार्ययोजना
(03 फरवरी 2025)

आपदा प्रबंधन : जन जागरूकता
कार्यक्रम आपदा जोखिम न्यूनीकरण
(28–29 अगस्त 2024)

आपदा प्रबंधन :
सड़क सुरक्षा कार्ययोजना
(21–23 अक्टूबर 2024)

आपदा जोखिम न्यूनीकरण :
तैयारी एवं दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति
(28–29 नवम्बर 2024)

आपदा प्रबंधन : जनजागरूकता
कार्यक्रम आपदा जोखिम न्यूनीकरण
(11–12 दिसम्बर 2024)

आपदा पश्चात् जरूरतों का आंकलन
(पी.डी.एन.ए.) दीर्घकालिक पुनर्प्राप्ति
(03–05 मार्च 2025)

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स

उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल के अन्तर्गत सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स (सी0जी0जी0) एक स्वायत्तशासी एवं स्ववित्तपोषित संस्था के रूप में सोसाईटीज़ रजिस्ट्रेशन एक्ट, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत की गयी है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स के संगठनात्मक ढांचे में बोर्ड आफ गवर्नस के अध्यक्ष के रूप में मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन; मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सी.ई.ओ.) के रूप में अकादमी, निदेशक/महानिदेशक; पदेन सचिव के रूप में अकादमी, संयुक्त निदेशक तथा पदेन वित्त नियंत्रक के रूप में अकादमी, संयुक्त निदेशक (वित्त) योगदान प्रदान करते हैं।

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स की स्थापना का मुख्य उद्देश्य परियोजना आधारित एवं मॉग आधारित कार्यक्रमों का निष्पादन करना है। सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स (सी0जी0जी0) के अन्तर्गत विभिन्न परियोजना प्रबन्धन इकाईयाँ (Project Management Units) स्थापित हैं यथा :–

1. की–रिसोर्स सेन्टर : पेयजल एवं स्वच्छता
2. शहरी विकास प्रकोष्ठ
3. जेन्डर इश्यूज प्रकोष्ठ
4. प्रलेखन एवं समन्वय प्रकोष्ठ
5. ई–गवर्नेन्स प्रकोष्ठ

सेन्टर फॉर गुड गवर्नेन्स (सी0जी0जी0) के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024–25 में उत्तराखण्ड राज्य एवं अन्य राज्यों के अधिकारियों/कार्मिकों हेतु कुल **76** कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें **3438** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। आयोजित की गई विभिन्न प्रशिक्षण गतिविधियों का विवरण निम्नवत है :

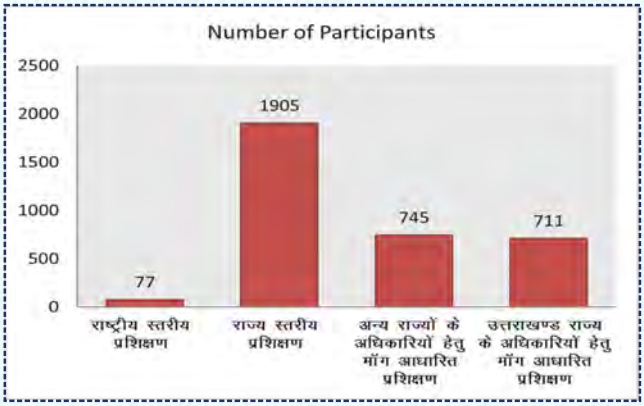

1. राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन

वर्ष 2024–25 में सी0जी0जी0 द्वारा राष्ट्रीय स्तरीय के **03 प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किये गये। जिसमें विभिन्न राज्यों के कुल **77 अधिकारियों** को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसमें मुख्यतः, पी.एम.ए.वाई, एस.बी.एम. 2.0, अमृत, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सुरक्षा और स्वास्थ्य, तथा कार्यालय एवं वित्तीय प्रबन्धन इत्यादि विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्मिलित रहे।

2. राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2024–25 में सी0जी0जी0 के अन्तर्गत **36** राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें **1905** अधिकारियों/कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्यतः शहरी क्षेत्र में महत्वपूर्ण योजनाएं और नीतियां, जल प्रबन्धन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सम्पत्ति कर प्रबन्धन, वित्तीय प्रबन्धन, यातायात एवं पार्किंग प्रबन्धन, पुनर्वास नीति–2013, मानसिक स्वास्थ्य, समावेशी हरित अर्थव्यवस्था, जल निकासी प्रणालियों को सुधारने, उच्च जोखिम वाले क्षेत्र से आपदा प्रबंधन तथा कार्यालय एवं वित्तीय प्रबन्धन इत्यादि विषयों पर केन्द्रित रहे।

3. अन्य राज्यों के अधिकारियों/कार्मिकों हेतु मॉग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2024–25 में सी0जी0जी0 के अन्तर्गत **बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश** एवं **नागालैण्ड** के अधिकारियों के कुल **15** प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। जिसमें **745** अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में मुख्यतः जलवायु परिवर्तन, कौशल विकास, वित्त प्रबंधन, सहयोग और समन्वय की अवधारणा, आपदा प्रबन्ध, जेण्डर मुद्दे, सकल राज्य घरेलू उत्पाद और डाटा पारिस्थितिकी तंत्र, सतत विकास लक्ष्य, डाटा विश्लेषण की पैरामीट्रिक और नॉन–पैरामीट्रिक विधियाँ, सॉफ़्ट–कंप्यूटिंग–सॉफ़्टवेयर का महत्व तथा सांख्यिकी सॉफ़्टवेयरों विषय सम्मिलित रहे। इन कार्यक्रमों में प्रतिभागियों के समूहों को उत्तराखण्ड के कुछ दर्शनीय स्थलों का भी भ्रमण कराया गया।

4. उत्तराखण्ड राज्य के अधिकारियों/कार्मिकों हेतु मॉग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2024–25 में सी0जी0जी0 के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न विभागों/संस्थाओं के अधिकारियों/कार्मिकों हेतु अकादमी में कुल **22** प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करते हुए कुल **711** अधिकारियों/कार्मिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। ये मांग आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्यतः कार्यालय प्रबन्धन, वित्तीय प्रबन्धन, भारतीय न्याय संहिता (BNS), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (BSA), भूमि अभिलेख परिवर्तन प्रक्रिया, आपदा प्रबन्धन, जेण्डर इश्यूज, प्रबन्धन एवं मानव विकास, सूचना का अधिकार अधिनियम, सेवा का अधिकार अधिनियम आदि विषयों पर केन्द्रित रहे।

5. शहरी विकास प्रकोष्ठ, सी.जी.जी.

शहरी विकास प्रकोष्ठ की विस्तृत कार्ययोजना के अंतर्गत अनुसंधान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, एवं एक्सपोजर विजिट जैसी गतिविधियाँ संचालित की जाती है। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा विभिन्न मंत्रालयों एवं प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थानों के साथ अनुबंध स्थापित किये गये है जिसके माध्यम से विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं अन्य क्षमता संवर्धन गतिविधियां आयोजित की जाती है। आलोच्य वर्ष में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ निम्न प्रकार रही।

5.1. तृतीय पक्ष सत्यापन-

राज्य सरकार के निर्देशो के अनुपालन में City Beauty Competition के तृतीय पक्ष सत्यापन संबंधी कार्य उत्तराखड के 33 नगर निकायों के 65 प्रविष्टियों में संपादित किया गया।

5.2. नेटवर्किंग पार्टनर-

शहरी विकास प्रकोष्ठ, सी.जी.जी. के बहुमुखी पहल को समृद्ध करने हेतु, केन्द्र एवं राज्य सरकारों के मंत्रालय/विभाग एवं अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे– आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय (MoHUA), राष्ट्रीय शहरी मामलों के संस्थान NIUA, GIZ, SPA Delhi इत्यादि से सहयोग लिया जायेगा।

5.2.1 स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा क्षमता संर्वधन की गतिविधियों हेतु स्वच्छता नोलेज पार्टनर के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जिसके अंतर्गत विभिन्न राज्यों के क्षमता संवर्धन कार्यक्रम किये गये।

5.2.2 आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय द्वारा संचालित AMRUT 2.0, NULM एवं PMAY योजनाओं के प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालन हेतु एकीकृत क्षमता संवर्धन फ्रेमवर्क के अंतर्गत सूचीबद्ध प्रशिक्षण इकाई है, जिसके अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है।

5.2.3 **NIUA के साथ किये गये अनुबंध के अंतर्गत की जा रही गतिविधियां–**

- स्वच्छता के क्षेत्र में NIUA के SCBP प्लेटफार्म के अंतर्गत शहरी निकायों एवं कार्यदायी विभागों के लिये FSSM एवं अपशिष्ट जल प्रबंधन विषय के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम किये गये।
- UNDP एवं United Nations Institute for Training and Research (UNITAR) द्वारा Integrated Green Economy (IGE) पर ToT प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

5.2.4 WASH-I के साथ किये गये अनुबंध के अंतर्गत संपादित कार्य–

- उक्त अनुबंध के अंतर्गत FSSM, Used Water Management एवं सफाई मित्र/पर्यावरण मित्रों की स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम किये गये। निकायों के लिये CSAP (City Sanitation Action Plan) तैयार करने में सहायता प्रदान की गई।
- उत्तराखण्ड के पहाड़ी एवं शहरी क्षेत्रों जैसे– चम्पावत, मसूरी एवं बड़कोट, उत्तरकाशी में शोध कार्य, Technology Compendium का प्रकाशन किया गया।

6. अन्य गतिविधियाँ

6.1 **अस्कोट–आराकोट अभियान की यात्रा के अनुभवों को साझा करने विषयक 02 दिवसीय कार्यशाला** – वर्ष 2024–25 में अस्कोट–आराकोट अभियान की यात्रा के अनुभवों को साझा करने विषयक 02 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में अस्कोट से आराकोट के क्षेत्र की 1150 कि0मी0 लम्बी पैदल यात्रा जो कि वर्ष 1974 से प्रत्येक 10 वर्ष में यात्री दल द्वारा 1150 किमी लम्बी पैदल यात्रा संचालित की जाती है; के यात्री दल द्वारा 07 जनपदों में 350 गाँवों के भ्रमण के दौरान क्षेत्र में हुये परिवर्तनों, के अनुभवों को साझा किया। पैदल यात्रा के दौरान किये गये जनसंवाद, पर्यवेक्षण (obeservation) एवं अनुभवों के आधार पर उत्तराखण्ड के संसाधनों के बेहतर उपयोग, आजीविका, राज्य की सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी

समस्याओं के चिन्तन एवं उनके समाधान पर मन्थन किया गया। मन्थन पर आधारित विस्तृत रिपोर्ट नीति निर्माण में सहायता हेतु राज्य सरकार के साथ भी साझा की गयी।

6.2 नैन सिंह मैमोरियल व्याख्यान

उन्नीस सौ नब्बे के दशक में प्रख्यात सर्वेयर पंडित नैन सिंह रावत के नाम पर प्रारम्भ की गई व्याख्यान माला जिसके अन्तर्गत अंतिम व्याख्यान वर्ष 2005 में दिया गया था, को बीस वर्ष बाद पुनः प्रारम्भ (Revive) किया गया। इस वर्ष 03 मार्च, 2025 को पं0 नैन सिंह स्मृति व्याख्यान विख्यात भूगोलवेत्ता प्रो0 हर्मन क्रुट्ज़मैन द्वारा "Himalayan Mountain Studies: From Its Formation to Multiple Challenges." विषय पर दिया गया।

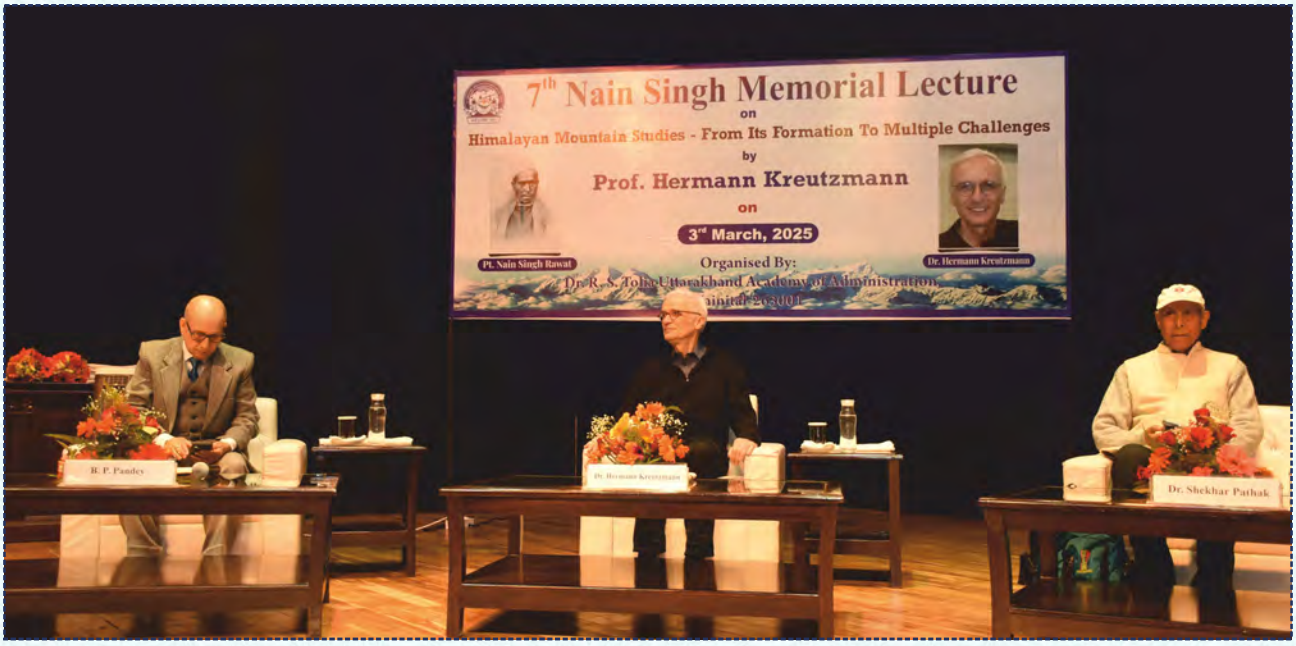

राज्य नगरीय विकास संस्थान

डॉ. आर. एस. टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल में राज्य नगरीय विकास संस्थान की स्थापना, राज्य में तेजी से हो रहे शहरीकरण से उत्पन्न चुनौतियों के समाधान एवं उत्कृष्ट शहरी प्रशासन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। नगरीय क्षेत्रों में उत्पन्न विभिन्न समस्याओं का आधुनिक परिदृश्य में बहुआयामी माध्यम से निराकरण किये जाने एवं क्षमता संवर्धन, प्रशिक्षण, अनुसंधान, प्रलेखन तथा परामर्श के उद्देश्य की पूर्ति के लिये संस्थान की स्थापना की गई है। अकादमी के कैम्पस में स्थित राज्य नगरीय विकास संस्थान को अकादमी के बुनियादी ढॉचे एवं अन्य सुविधाएँ और क्षमताओं का लाभ प्राप्त होता है।

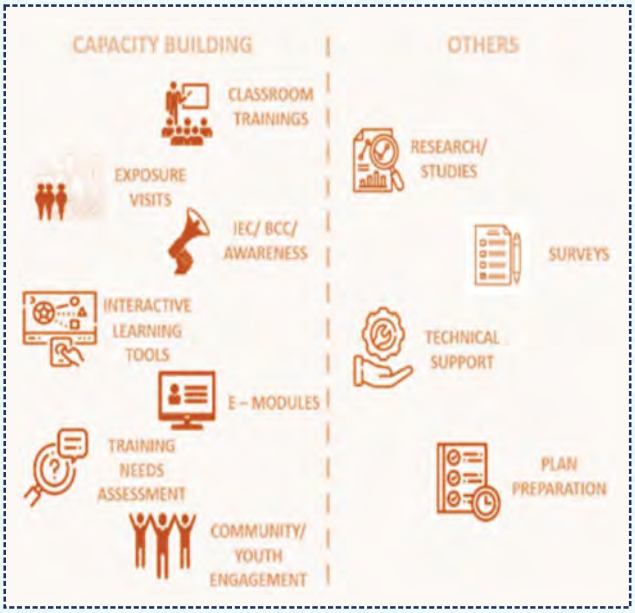

उत्कृष्टता एवं नवाचार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता रखते हुए राज्य नगरीय विकास संस्थान उत्तराखण्ड एवं अन्य पर्वतीय राज्यों की परिवर्तनकारी यात्रा में योगदान देने के लिये प्रतिबद्ध है, जिससे इन राज्यों में स्थाई शहरी विकास सम्भव हो सके। आलोच्य वर्ष में संस्थान द्वारा कुल **25** कार्यक्रम आयोजित किये गये जिनमें **702** प्रतिभागियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

संस्थान के उद्देश्य

- शहरी विकास एवं उसके प्रबन्धन के विभिन्न मुद्दों तथा चुनौतियों को पहचानना, उनका अध्ययन करना और उनका स्थानीय समाधान निकालना।
- विभाग के क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण, अनुसंधान प्रलेखन तथा परामर्श और नीति निर्माण में सहायता करना।
- शहरी विकास हेतु विस्तृत विभागीय कार्य योजना बनाने तथा अपेक्षित परिणामों हेतु शहरी विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय स्थापित करना।

गतिविधियॉ एवं विशिष्ट उपलब्धियॉः-

1. **शोध कार्य**– संस्थान द्वारा उत्तराखण्ड के **छः शहरों**– **नैनीताल, हल्द्वानी– काठगोदाम, चम्पावत, मसूरी, अल्मोड़ा** एवं **पौड़ी** में पानी, यातायात एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की व्यवस्था में आ रही चुनौतियों के संबंध में SPA, दिल्ली के सहयोग से शोध अध्ययन किया गया। संस्थान द्वारा WASHi के सहयोग से उत्तराखण्ड के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में Flowing through the Hills नामक Field Study एवं Technology Compendium का प्रकाशन किया गया।

2. **Exposure Visit-** संस्थान द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के नगर निकायों में नवनियुक्त अधिशासी अधिकारियों हेतु SIUD मैसूर के सहयोग से बैंगलूर एवं मैसूर शहर में Faecal Sludge एवं Septage Management एवं सम्पत्ति कर संग्रहण में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी हेतु अध्ययन भ्रमण किये गये।

"Exposure visit for the Executive Officers of Nagar Panchayath of Uttarakhand"

Date:02.09.2024 to 05.09.2024 Place: SIUD, Mysore

3. **Induction Programme-** राज्य नगरीय विकास संस्थान द्वारा नगर निकायों के **नवनियुक्त अधिशासी अधिकारी/कर एवं राजस्व निरीक्षक (नगर पंचायत) हेतु 02 विशेष सेवा प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम** आयोजित किये गये जिसमें नवनियुक्त **75** अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

4. **विषयगत प्रशिक्षण कार्यक्रम**– संस्थान द्वारा विभिन्न विषयों जैसे– जल प्रबंधन, ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन, अपशिष्ठ जल प्रबंधन, आफिस प्रबंधन, सम्पत्ति कर प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, यातायात एवं पार्किंग जैसे विषयों पर कुल **26** कार्यक्रम किये गये जिसमें कुल **736 प्रतिभागियों** द्वारा प्रतिभाग किया गया।

अकादमी में व्याख्यान हेतु आमंत्रित
पद्मश्री श्री चण्डी प्रसाद भट्ट

अकादमी में व्याख्यान हेतु आमंत्रित
पूर्व सचिव, भारत सरकार
श्री सुनील कुमार

प्रथम गवर्नर्स ट्रॉफी विजेता को
पुरूस्कृत करते महानिदेशक
श्री बी. पी. पाण्डेय

15वें आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम
में निदेशक ट्रॉफी विजेता
को सम्मानित करते
महानिदेशक श्री बी. पी. पाण्डेय

वर्ष 2024-25 में आय-व्यय का विवरण

A. Related to Training Programmes 2024-25			
		Amount Received (Rs.)	**Amount Utilised (Rs.)**
Academy	**From GoI**	47,22,000	47,22,000
	From State	1,15,00,000	1,15,00,000
DMC		1,02,00,000	99,84,000
SIUD		36,00,000	20,31,579

	Amount Received form demand-based Programmes (Rs.)	**Amount Utilised (Rs.)**
CGG	**3,96,09,082**	**2,41,52,657**

डॉ0 आर0 एस0 टोलिया उत्तराखण्ड प्रशासन अकादमी, नैनीताल।

B. Total Budget (ऑकडें लाख रु. में)

व्यय की मदें	स्वीकृत धनराशि	आलोच्य वर्ष के दौरान वास्तविक व्यय	शासन को समर्पित धनराशि
(क) वेतन एवं भत्ते (ग्लोबल बजट)	420.40	364.25	–
(ख) प्रासंगिक व्ययः–			
08–पारिश्रमिक	96.50	94.69	1.81
10–प्रशिक्षण	115.00	115.00	0.00
27–व्यावसायिक एवं विशेष सेवाओं के लिए व्यय	59.60	59.36	0.24
51–अनुरक्षण	200.00	200.00	0.00
52–लघु निर्माण	75.00	75.00	0.00
अन्य प्रासंगिक व्यय	347.40	342.71	4.69
योगः–	**893.50**	**886.76**	**6.74**
महायोगः (क+ख)	**1313.90**	**1251.01**	**6.74**

Dr. R. S. Tolia Uttarakhand Academy of Administration,
Mallital, Nainital - 263001
Uttarakhand
Phone No's. : (05942) 263149, 236068, 235011
Website :www.uaoa.gov.in
E-mail : directoracademy@hotmail.com